തിയ്യതി 16/1/26
64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തൃശ്ശൂർ
★ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി ★

Item Code: 948 Participant Code: 033

विषय : भारत में विदेशी विश्वविद्यालय

आज की भारत, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक आदि के क्षेत्र में ~~~~ विश्व के अच्छे से अच्छे राजों को भी हराने की क्षमता प्राप्त की है। भारत के आई.आई.टी, आई.एस.आर.ओ आदि विश्व मंच पर भारत की प्रतिभा को शोभा देता है। भारत मानो एक 'डिजिटल हब' बन गया है। इस प्रगतिशील भारत के लिए यह आश्चर्य की बात नही है कि अपने देश पर कई अन्य देश उनके विदेशी विश्वविद्यालय भारत में शुरू करेंगे। विश्वविद्यालयों जो विदेशी पाठ्यक्रमों के आधार अपने छात्रों शिक्षा देते है, यह ~~~~ नशक भारतीय छात्र-छात्राओं की प्रतिभा एवं दृष्टिकोण बढ़ाने की मदद करेगा।

=> स्वदेशी विश्वविद्यालय बनाम विदेशी विश्वविद्यालय

* जबकी स्वदेशी विश्वविद्यालय जैसेकि जे.एन.यू, इफ्लू आदि गुणवत्ता शिक्षा देते हैं पर ज्यादा 'बुकिश' या पुस्तक निर्भर है और सच्चाई में विदेशी विश्वविद्यालयों की तुलना में सक्रियात्मक शिक्षा देने में असफल रहा है।
* विश्वविद्यालयो को छात्रों को जीवन में उपयोग होनेवाले कार्य

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

जैसे बैंकिंग, आत्मनिर्भर बनना आदि को बढ़ावा देना चाहिए जो विदेशी विश्वविद्यालयों बेहतर तरीके से कर रहे है।

* विदेशी विश्वविद्यालयों को पर भारत में स्वदेशी विश्वविद्यालयों के उतना सत्ता नही है और स्वदेशी विश्वविद्यालयों के छात्रों को ही इंटरव्यू आदि के वक्त ~~इन्हें~~ पहले मानते है।

=> विदेशी विश्वविद्यालयों के छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव

* पारंपरिक पाठ्यक्रमों से अलग विदेशी पाठ्यक्रमों से पहचान होना और इस कारण होने वाले बौद्धिक बदलाव।
* विश्व मंच के विविधता भरी पाठ्यक्रमों को पढ़ने की मौका।
* ज्याद तकनीकी सुविधाओं के इस्तेमाल होने वाले शिक्षा प्रवृत्तियों का भाग बन पाना, जिसकी कारण से शिक्षा और प्रभावकारी बनता है।
* विश्वविद्यालयों का वैश्वीकरण में भी भूमिका है जिसके कारण छात्रों को विविध संस्कारों से मिलन कि मौका देता है।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
തിയ്യതി 16/1/26
പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

Item Code: 948 Participant Code: 033

* विदेशी राज्यों में 'इंटेर्णशिप' या काम करने की संभावना बढ़ना।

=> भारत में ~~विश्व~~ विदेशी विश्वविद्यालयों के आने की बुरे नतीजे

* स्वदेशी विश्वविद्यालयों का मूल्य गिरेगा अगर हमने उनकी पाठ्यक्रम, शिक्षा कार्यक्रमों को विश्व स्तर तक न पहुँचा सके।
* समाज में अमीर और गरीब के ~~बिच~~ बीच का ~~अ~~ अंतर और ज़्यादा होगा, क्योंकि सिर्फ अमीर लोग ही अपने बच्चों को महँगे विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ा पाएंगे।
* भारत की नैतिक मूल्य, परंपरा और संसकार आदि ~~कि~~ की जड़ इन छात्रों की दिल में न होंगे और इन छात्र, जो विदेशी विश्वविद्यालय में पढते हैं, उन लोग पश्चिमीकरण की गुलाम होने के संभावना ज़्यादा है और भारत के युवा विदेशा में रहना पसंद करेंगे जबकि वे भारत की प्रगती के स्तोत्र बन सकते थे।

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
തിയ്യതി 16/1/26
പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

* भारतीय भाषाओं और विषयों की कम होती महत्व और आने वाले पीढ़ियों में उनके अस्तित्व के मिट जाने की संभावना।
* स्वदेशी कला-साहित्य में इन छात्रों की अनुपस्थित तात्पर्य।

=> नकारात्मक प्रभावों के उपाय

* नासा आदि जैसे संविधान स्वदेशी विश्वविद्यालयों में लाना।
* विदेशी विद्यालयों में गरीब और समाज के नीचे तट में रहने वाले बच्चों का समान अवसर प्रदान करना।
* अपने भारतीय मूल, कला-साहित्य, संस्कार और परंपरा आदि के आग अपने दिल में जलाए रखना।
* विदेशी पाठ्यक्रमों के जैसे स्वदेशी शिक्षा कार्यक्रमों को सक्रियात्मक, तकनीकी और बौद्धिक प्रगती देने वाला बनाना।
* सरकार द्वारा और विश्वविद्यालय बनवाना

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
തിയ്യതി 16/1/26
പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

=> निष्कर्ष

* हमें भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के स्वागत करना चाहिए और उनका फाइदा उठाना चाहिए पर बिना स्वदेशी विश्वविद्यालयों की महिमा को घटाए और अपने अंदर के भारतीय आग को बुझाए बिना। हमें प्रयास करना चाहिए कि स्वदेशी विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता बढ़ाए भी।